संक्षिप्त समाचार

पिद्दी और उसके दोस्तों का ज़बरदस्त कराटे कौशल देखें ब्रांड न्यू शो कराटे शीप में

मुंबई, एजेंसी। सोनी ये! पर इस अप्रैल कराटे शीप में शीप्स का झुंड लेकर आ रहा है हँसी से भरपूर बेहतरीन कराटे मूव्स। पिद्दी और कुंग-फू कुमारी के फार्म में देखने को मिलेंगे हँसी से लोटपोट कर देने वाले शानदार कराटे मूव्स और फ्लाइंग किक। वो आपको कभी बोर नहीं होने देंगे। कभी पढ़ना सीखकर, तो कभी हास्यास्पद गैजेट का उपयोग करके या फिर जंगल में खो जाने तक वो हमेशा कुछ ना कुछ मनोरंजक करते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर भूखा भेड़िया उन पर सेंध लगाता रहता है, और इन भेड़ों को खाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। कभी वह पिद्दी और कुंग-फू कुमारी के डांस रूटीन को बिगाड़ देता है या उनसे कराटे सीखने के जाल में उन्हें फँसा लेता है। लेकिन हर बार ये भेड़ें कराटे के अपने बेहतरीन मूव्स से भेड़िये को दूर उड़ा देती हैं। कुंग-फू कुमारी के जोश और पिद्दी के नेतृत्व के साथ ये झबरीले लड़ाके भेड़ भेड़िये को हराकर साबित कर देंगे कि साइज़ कोई मायने नहीं रखता। तो यह ऑल-न्यू शो देखने के लिए कैलेंडर की तारीखें नोट कर लीजिए, क्योंकि पिद्दी और कुंग-फू कुमारी जंगल में अपना एडवेंचर शुरू कर रहे हैं।

कांग्रेस का घोषणापत्र पाकिस्तान में चुनाव जीतने जैसा, हिमंत ने मेनिफेस्टो को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना

एर्नाकुलम (केरल)। असम के सीएम और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा शर्मा ने कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर एक बार फिर निशाना साधा है। असम सीएम ने कहा, ÷कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र इस तरह से तैयार किया गया है कि वे पाकिस्तान में चुनाव जीतें। घोषणापत्र पाकिस्तान के लोगों के लिए अधिक और भारत के लोगों के लिए कम है। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस ने ऐसा घोषणा पत्र बनाया है जो आम जनता से संसाधन छीन लेगा और कांग्रेस देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देगी। हमने कांग्रेस के घोषणापत्र की सबसे सही तरीके से व्याख्या की है। मैं उन्हें चुनौती दूंगा कि वे सार्वजनिक बहस के लिए आएं और दिखाएं कि यह घोषणापत्र तुष्टिकरण के अलावा कुछ नहीं है...प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि देश के संसाधनों पर हर किसी का अधिकार है। यह कांग्रेस पार्टी को बताना है कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार एक विशेष समुदाय का है। राहुल गांधी पप्पू के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार हैं।

संपत्ति के लिए मां-बाप की दी सुपारी, छोटे भाई की कराई हत्या

गडग। कर्नाटक के गडग में चार लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने सुपारी किलिंग गिरोह को पकड़कर इस मामले को सुलझा लेने का दावा किया है। इस हत्याकांड में बड़े बेटे विनायक बकाले ने संपत्ति के विवाद में अपने छोटे भाई और मां-बाप की हत्या कराने के लिए 65 लाख रुपये की सुपारी दी थी। हालांकि साजिश पूरी तरह सफल नहीं रही और उसके मां-बाप की जान बच गई। पुलिस के अनुसार विगत 19 अप्रैल को गडग के दसारा ओनी में 35 वर्षीय विनायक ने सुपारी लेकर हत्या करने वाले गिरोह के हाथों अपने छोटे भाई कार्तिक बकाले (27), नजदीकी रिश्तेदार परशुराम हदीमनी (55), लक्ष्मी हदीमनी (45) और आकांक्षा हदीमनी (16) को मरवा दिया। निशाने पर उसके माता-पिता क्रमश- सुनंदा बकाले और प्रकाश बकाले बाल-बाल बच गए। प्रकाश और सुनंदा भाजपा के स्थानीय नेता हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कार्तिक की शादी तय हो गई थी और उसमें शामिल होने के लिए ही हदीमनी परिवार वहां आया था। इस हत्याकांड के बाद जब देखा गया कि घर से शादी के गहने और अन्य कीमती सामानों को हाथ तक नहीं लगाया गया है तो यह साफ हो गया कि इस हत्याकांड का कारण लूटपाट कतई नहीं था।

एनसीआर में फिर स्वाइन फ्लू की दस्तक, एक शख्स की मौत भी हो गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
स्वाइन फ्लू से राजनगर एक्सटेंशन के कारोबारी की सोमवार को मौत हो गई। चार दिन से वह निजी अस्पताल में भर्ती थे। मामले में अस्पताल को नोटिस जारी कर मरीज की सूचना स्वास्थ्य विभाग को न देने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

राजनगर एक्सटेंशन निवासी 54 वर्षीय कपड़ा कारोबारी को 18 अप्रैल को बुखार, हाइपरटेंशन की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उन्हें गंभीर निमोनिया की भी पुष्टि हुई। मरीज को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। स्वाइन फ्लू (एच1एन1) की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई। सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। अस्पताल के अनुसार, कारोबारी को पहले से कोई बीमारी नहीं थी। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने कहा, अस्पताल से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

गाजियाबाद जिले में पांच साल बाद स्वाइन फ्लू से किसी की मौत हुई है। इससे पहले वर्ष 2019 में मोदीनगर की आदर्श कॉलोनी निवासी 62 वर्षीय महिला मंजू शर्मा की जान चली गई थी।

वर्ष 2017 में स्वाइन फ्लू का सबसे ज्यादा असर दिखा था। उस समय चार लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार को कारोबारी की मौत से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर ने बताया कि कारोबारी के घर के आसपास जांच कराई जा रही है। शरीर में दर्द, ठंड लगना, खांसी, सिरदर्द, बुखार, उल्टी और दस्त। सामान्य फ्लू जैसे लक्षण होने के बाद भी यह इंसानों के लिए जानलेवा है। गंभीर मामलों में सांस की तकलीफ होती है,जिससे मौत का खतरा है। हालांकि, अधिकांश लोगों में लक्षण हल्के होते हैं। वायरस वाली सतह से संक्रमण को आपके शरीर में फैलने से रोकने के लिए बार-बार छुई जाने वाली सतहों की नियमित रूप से साफ-सफाई करें। इस बीमारी से पीड़ित लोगों के संपर्क में आने से बचें। यदि लक्षण आ गए हैं तो डॉक्टर से सलाह के अनुसार दवा लें और घर पर ही रहें। इसके लक्षण सामान्य फ्लू जैसे ही होते हैं। इसलिए फ्लू में अंतर करना मुश्किल होता है। डॉक्टर एच1एन टेस्ट के जरिए संक्रमण की जांच करते हैं। यह बीमारी लगभग आठ दिनों तक रहती है।

कुछ लोगों में एच1एन1 फ्लू का खतरा अधिक होता है। बुजुर्गों, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, मधुमेह, एचआईवी व कैंसर पीड़ितों, गर्भवती महिला, अस्थमा, हृदय रोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी की जरूरत है। स्वाइन फ्लू हवा के जरिए एक इंसान से दूसरे इंसान में फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति के छींकने या खांसने से वायरस दूसरों में फैल जाता है। इसलिए ऐसे लोग हमेशा रूमाल या कपड़े का इस्तेमाल करें। स्वाइन फ्लू आमतौर पर एच1एन1 फ्लू इन्फ्लूएंजा-ए वायरस के परिवार का हिस्सा है। यह वायरस आमतौर पर संक्रमित सूअर के संपर्क में आने से होता है। यह मरीज के नाक, गले और फेफड़ों की कोशिकाओं को संक्रमित करता है।

एनसीएलटी ने सुभाष चंद्रा के खिलाफ दिए दिवालिया कार्यवाही शुरू करने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने सोमवार को इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस की याचिका पर मीडिया दिग्गज सुभाष चंद्रा के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया। एनसीएलटी की दो सदस्यीय दिल्ली पीठ ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जीईईएल) के चेयरमैन एमेरिटस चंद्रा के खिलाफ कारपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया (सीआइआरपी) शुरू करने का निर्देश दिया। चंद्रा एस्सेल समूह से जुड़ी कंपनी विवेक इन्फ्राकान लिमिटेड को दिए गए कर्ज के गारंटर थे। हालांकि, पीठ ने दो अन्य लेनदारों आइडीबीआइ ट्रस्टीशिप और एक्सिस बैंक द्वारा दायर इसी तरह की याचिकाओं को खारिज कर दिया। 2022 में विवेक इन्फ्राकान द्वारा लगभग 170 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं करने के लिए बाद इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया था। विवेक इन्फ्राकान चंद्रा द्वारा प्रवर्तित एस्सेल ग्रुप का एक हिस्सा है। दिवालिया समाधान प्रक्रिया शुरू होने के बाद चंद्रा किसी भी संपत्ति को बेच नहीं सकेंगे। दरअसल, वर्ष 2019 में सरकार ने दिवालिया कानूनों के प्रविधानों में संशोधन किया था। जिसके बाद लेनदारों को व्यक्तिगत गारंटरों के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही दायर करने की अनुमति मिल गई है।

दिल्ली में दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी का अहसास, तेज हवा चलने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में धूप दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी का अहसास बढ़ने लगता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के लिए सामान्य तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि सापेक्षिक आर्द्रता 27 प्रतिशत से 54 प्रतिशत के बीच रही। आईएमडी ने मंगलवार को दिन में आसमान साफ रहने और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 38 और 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले सात दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी में लू चलने की कोई संभावना नहीं है। आईएमडी के अनुसार, हीटवेव की स्थिति तब लागू होती है जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास या उससे ऊपर होता है। राजधानी के कई इलाकों में रविवार रात तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके चलते मौसम में

नमी बढ़ी और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सोमवार सुबह तेज सूरज निकला, लेकिन रविवार रात को हुई बूदांबांदी के चलते तापमान में तेजी से इजाफा नहीं हुआ। मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा। यहां पर आर्द्रता का स्तर 69 से 27 फीसदी तक रही। वहीं, मौसम की इन गतिविधियों के चलते दिल्ली की हवा लगातार साफ बनी हुई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 127 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो-तीन दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का यह स्तर बना रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में अगले दो दिन में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि आने वाले सात दिन तक लू चलने की कोई संभावना नहीं हैं। इसके बाद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

क्यों नहीं हटे कचरे के पहाड़, राजनीति नहीं जनता के बारे में सोचे भाजपा; दिल्ली में कूड़े की आग पर सियासी आंच

नई दिल्ली, एजेंसी।
गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग को लेकर सोमवार को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भाजपा ने आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली नगर निगम पर हमला किया। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लैंडफिल स्थल का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आप सरकार के भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आग लगने की पीछे दिल्ली सरकार जिम्मेदार है। एमसीडी की सत्ता में आने से पहले आप ने 31 दिसंबर 2023 तक कूड़ा हटाने का दावा किया था लेकिन अभी तक नहीं हटा। सचदेवा ने कहा कि 18 घंटे की बाद आग सुलग रही है, जबकि निगम की सत्ता में आने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी लगातार लैंडफिल साइटों को लेकर सवाल उठाते थे। उन्होंने जनता से वादा किया गया था कि अगर निगम की सत्ता आए तो दिसंबर 2023 तक गाजीपुर के साथ भलस्वा और ओखला की लैंडफिल साइट को साफ कर दिया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि गाजीपुर लैंडफिल साइट में लगी आग को बुझाने के लिए केंद्र सरकार और दिल्ली नगर

निगम के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए। पहले से ही प्रदूषण का दंश झेल रहे दिल्लीवालों के स्वास्थ्य पर धुआं गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। लैंडफिल साइट में लगातार आग सुलग रही है और इससे जहरीला धुआं निकल रहा है।

भाजपा के आरोपों पर महापौर डॉ शैली ओबरॉय ने पलटवार किया। महापौर ने कहा भाजपा को समझना होगा कि आपदा के समय राजनीति न करे। सबको मिलकर जनता के बारे में सोचना चाहिए। लैंडफिल साइटों में कूड़े के पहाड़ की ऊंचाई को कम किया है। निगम की स्थायी समिति का गठन होने के बाद अतिरिक्त एजेंसियों को कूड़ें को खत्म करने की जिम्मेदारी सौंपेंगे। डॉक्टरों के मुताबिक, गाजीपुर लैंडफिल साइट के कूड़े में भारी मात्रा में कैमिकल होता है। इसमें आग लगने से फैलने वाला धुआं आसपास रहने वाले लोगों को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। खासतौर पर सांस और हृदय रोगों से जूझ रहे लोगों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए भी परेशानी खड़ी कर सकता है।

इससे सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन, गले में खराश, दिमाग में सूजन जैसे दिक्कतें हो सकती हैं।

गाजा युद्ध के मुद्दे पर घर में घिरे बाइडन, विश्वविद्यालयों में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों की बाढ़

वॉशिंगटन, एजेंसी। गाजा में जारी युद्ध को लेकर अब अमेरिकी सरकार पर भी दबाव बढ़ रहा है और राष्ट्रपति जो बाइडन घर में ही घिरते जा रहे हैं। दरअसल गाजा युद्ध के मुद्दे पर अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ये विरोध प्रदर्शन व्यापक पैमाने पर हो रहे हैं और हालात ये हैं कि अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में अकादमिक सत्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है और हजारों छात्रों के साथ ही अध्यापक और अन्य स्टाफ भी फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों में शामिल हैं। गाजा युद्ध को लेकर बाइडन पर बढ़ा दबाव अमेरिकी की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से लेकर कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तक सभी में फलस्तीन समर्थक रैलियां निकाली जा रही हैं और हजारों छात्र धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र गाजा में हो रही आम नागरिकों की मौतों के लिए बाइडन सरकार और उनकी नीतियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कक्षाएं स्थगित चल रही हैं। येले पुलिस ने दर्जनभर प्रदर्शनकारी छात्रों को गिरफ्तार भी किया है। यूनिवर्सिटी परिसर में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने तंबू भी गाड़ दिए हैं। ऐसा ही हाल अमेरिका के अन्य कॉलेजों का भी है। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि स्कूल-कॉलेजों में युद्ध को लेकर प्रदर्शन बढ़ रहे हैं। छात्र तंबुओं में रह रहे हैं और इससे विश्वविद्यालयों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। इससे अराजगता का माहौल पैदा हो रहा है। न्यूयॉर्क पुलिस ने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कई प्रदर्शनकारी छात्रों को हिरासत में लिया है। दरअसल फलस्तीन समर्थक छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड तोड़े और अराजकता फैलाई। जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में भी फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी छात्रों ने 15 के करीब तंबू गाड़ दिए हैं। छात्रों के विरोध प्रदर्शन की कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक वीडियो में तो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक भारतीय मूल की छात्रा प्रदर्शन करते दिख रही है और वह आजादी, ले के रहेंगे आजादी जैसे नारे लगा रही है। कुछ साल पहले भारतीय विश्वविद्यालयों में भी ऐसे ही नारे सुनाई दिए थे। व्हाइट हाउस ने विश्वविद्यालयों में चल रहे इन विरोध प्रदर्शनों पर नाराजगी जताई। राष्ट्रपति जो बाइडन से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यहूदियों के खिलाफ हो रहे इन विरोध प्रदर्शनों की मैं कड़ी निंदा करता हूं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अलावा बॉस्टन यूनिवर्सिटी, हावर्ड यूनिवर्सिटी और मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भी विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

अमेरिकी रिपोर्ट में इस्राइल पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप, ब्लिंकन बोले- अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें

वॉशिंगटन, एजेंसी। हमास और इस्राइल के बीच कई माह से जंग जारी है। इस युद्ध को रुकवाने के लिए हर कोई कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच गाजा की हालत बिगड़ती जा रही है। यहां मानवीय सहायता पहुंचाने के सभी रास्ते धीरे-धीरे इस्राइल ने लगभग बंद कर दिए हैं। इस बीच, एक बार फिर अमेरिका ने इस्राइल को आंखें दिखाई हैं। उसने इस्राइल से नागरिकों के नुकसान को कम करने का आग्रह किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने मानवाधिकार उल्लंघन पर अपनी रिपोर्ट जारी की और गाजा में मानवाधिकारों के हनन पर चिंताओं को रेखांकित करते हुए इस्राइल पर प्रकाश डाला। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का कहना है कि गाजा में इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष मानवाधिकारों के लिए परेशान करने वाली चिंताएं पैदा कर रहा है। उन्होंने सात अक्तूबर के हमास आतंकवादी हमलों की निंदा की है, जबकि इस्राइल से अपनी प्रतिक्रिया में नागरिक क्षति को कम करने का आग्रह किया।

वार्षिक देश रिपोर्ट में इस्राइल पर 103 पन्नों में बात की गई है। इसमें एक दर्जन से अधिक प्रकार के मानवाधिकारों के हनन की विश्वसनीय रिपोर्ट दर्ज की गई है, जिसमें हत्याएं, यातना, मनमानी हिरासत, संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा या सजा और कथित अपराधों के लिए परिवार के सदस्यों की सजा शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा पट्टी में इस्राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का मानवाधिकार की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसमें हमास और इस्राइली सरकार दोनों द्वारा गैरकानूनी हत्याओं की विश्वसनीय रिपोर्टों का हवाला दिया गया। ब्लिंकन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका मानवाधिकारों पर विदेशी देशों के रिकॉर्ड के बारे में आकलन करना जारी रखेगा।

आवश्यकता है

दैनिक भेदी नजर अखबार को नारनौल, जिला महेंद्रगढ़, कनीना और अटेली विधानसभा के अन्दर आने वाले सभी गांव से समाचार लाने के लिए और घर व दुकानों पर अखबार बाटने के लिए लड़को की तुरंत आवश्यकता है और महेंद्रगढ़ जिला, कनीना और अटेली विधानसभा में आने वाले सभी गांव से विज्ञापन बुक करने के लिए संपर्क करें 9896440781

नोट : भेदी नजर अखबार को अपने घर और दुकान, ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि में लगवाने के लिए सम्पर्क करें।

हमारा पता : जय श्री श्याम भेदी नजर एजेंसी कनीना बस स्टैंड के पीछे चिकना प्रिंटिंग प्रेस नजदीक फुटबॉल ग्राउंड के पास

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -

1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204

2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192

3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा

पहला इनाम
एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2024 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा